पश्चिम रेलवे
Western Railway
रतलाम मंडल

विजयस्तंभ

त्रैमासिक राजभाषा ई-पत्रिका

संविधान दिवस

गाँधी जयंती

अंक -16 वां अक्टूबर से दिसंबर - 2024

संपादक मंडल

मुख्य संरक्षक

श्री रजनीश कुमार

मंडल रेल प्रबंधक

संरक्षक

श्री अशफाक अहमद

अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं

अपर मंडल रेल प्रबंधक

संपादक

श्री सतीश वलवी

वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी

संपादन सहयोग

ओम प्रकाश मीना

वरि.अनुवादक

दौलत राम ताबियार

वरि.अनुवादक

राजेंद्र सेन

वरि.अनुवादक

विशेष सहयोग

(डिजाइनिंग)

इरशाद खान

कार्यालय अधीक्षक

अनुक्रमणिका

क्र.स	विषय	कवि /लेखक	पृष्ठ
1	**संरक्षक की कलम से**	-	1
2	**अपनी बात**	-	2
3	**संपादकीय**	-	3
4	**नवागत मंडल रेल प्रबंधक -परिचय**	-	4
5	**राजभाषा की गतिविधियाँ**	-	5-6
6	**स्वच्छता अभियान**	-	7-8
7	**संविधान दिनस**	-	9
8	**पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की गतिविधियाँ**	-	10-11
9	**रतलाम की उपलब्धियां**	-	12-20
10	**पिता (कविता)**	लक्ष्य ताम्रकार	21
11	**बच्चों में पढ़ने की आदत को रोचक बनाए (टिप्स)**	नवदीप भारद्वाज	22
12	**हरिवंशराय बच्चन -परिचय**	राजेंद्र सेन	23-26
13	**तितली (कविता)**	शिव चौहान	27
14	**कोहरे की चादर (कविता)**	शिव चौहान	27
15	**राजभाषा प्रश्नोत्तर**	ओमप्रकाश मीना	28
16	**ई –ऑफिस हेतु उपयोगी हिंदी नोटिंग**	दौलतराम ताबियार	29
17	**दुर्घटना राहत गाड़ी संचालन**	दुर्गा प्रसाद वर्मा	30
18	**राजभाषा सूक्तियां**	-	31
19	**अग्निपथ**	**हरिवंशराय बच्चन**	32

- पता – राजभाषा अनुभाग मंडल कार्यालय, पश्चिम रेलवे, रतलाम, म.प्र. दूरभाष.09244032
- पत्रिका में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं और कुछ सामग्री इंटरनेट से संकलित हैं । जिससे संपादक मंडल का सहमत होना जरुरी नहीं है।
- निशुल्क ई –पत्रिका।

मुख्य संरक्षक की कलम से

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि रतलाम मंडल का राजभाषा विभाग, राजभाषा ई - पत्रिका 'विजयस्तंभ' के सोलहवें अंक का प्रकाशन करने जा रहा है। रेलवे की प्रगति में हिंदी पत्रिकाओं का बहुमूल्य योगदान रहता है। पत्रिकाओं में प्रकाशित मौलिक रचनाएं एवं विभागों की जानकारियां निश्चित ही सभी के लिए उपयोगी सिद्ध होती है।

मेरा ऐसा मानना है कि साहित्य समाज का दर्पण होता है इसी क्रम में हिंदी पत्रिकाएं अपने दायित्व का निर्वहन करती हैं। 'विजयस्तंभ' पत्रिका इसका एक अनुपम उदाहरण है। सभी रचनाकारों से मेरा आग्रह है कि आप अपनी मौलिक रचनाएं , लेख, कहानी, कविता,तकनीकी लेख आद नियमित रूप से हिंदी विभाग को भिजवाते रहें ताकि आपके विचारों से आपके साथियों का मार्गदर्शन होता रहे।

प्रकाशन से संबंधित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मेरी शुभकामनाएं।

रजनीश कुमार
मंडल रेल प्रबंधक

अपनी बात

यह हर्ष का विषय है कि राजभाषा विभाग 'विजयस्तंभ'ई राजभाषा पत्रिका के सोलहवें अंक का प्रकाशन करने जा रहा है। राजभाषा ही एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा हम अपने विचारों की अभिव्यक्ति दूसरों के साथ साझा करते हैं।

'विजयस्तंभ' के इस अंक के कलेवर में काफी जानकारियां समाहित हैं जो कर्मचारियों एवं अधिकारियों के हिंदी ज्ञान में सहायक होंगी तथा हिंदी के प्रयोग - प्रसार को बढ़ाने के लिए हमारे अंदर आत्मविश्वास की वृद्धि करेगी ।

सभी रचनाकारों से मेरा आग्रह है कि आप अपने मौलिक लेख, कहानी, कविताएं एवं विभागों की जानकारियां 'विजयस्तंभ' पत्रिका में प्रकाशन हेतु अवश्य भिजवाएं ताकि पत्रिका के प्रकाशन के माध्यम से राजभाषा के प्रचार-प्रसार का यह क्रम अनवरत चलता रहे।

प्रकाशक मंडल को मेरी शुभकामनाएं।

अशफाक़ अहमद
अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं
अपर मंडल रेल प्रबंधक

संपादकीय

रतलाम मंडल की राजभाषा त्रैमासिक ई पत्रिका 'विजयस्तंभ' के सोलहवें अंक को आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे खुशी का अनुभव हो रहा है। राजभाषा संगठन की ओर से प्रकाशित यह पत्रिका राजभाषा हिंदी के प्रयोग- प्रसार में निश्चित रूप से प्रेरणादायक होगी। मंडल पर कार्यरत हमारे अधिकारी एवं कर्मचारी अपने सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रयोग- प्रसार बढ़ाने में सहयोग करेगें तथा हिंदी में अपनी मौलिक रचनाएं भेजने में भी अपनी भूमिका निभाते रहेंगे। इस पत्रिका के प्रकाशन के पीछे हमारा यही उद्देश्य रहा है कि हिंदी मूल रूप से निरंतर आगे बढ़ती रहे।

'विजयस्तंभ' पत्रिका के कलेवर को और अधिक रोचक एवं ज्ञानवर्धक बनाने के लिए में सभी रचनाकारों से आग्रह करता हूं कि आप अपनी मौलिक रचनाएं ,लेख, कहानी, कविता एवं विभाग की उपलब्धियां निरंतर हमें भिजवाते रहें ताकि आपकी रचनाओं को हम पत्रिका में स्थान देते रहें।

मुझे विश्वास है कि भविष्य में भी पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु हम निरंतर प्रयास करते रहेंगे और पत्रिका की विकास यात्रा को अनवरत बढ़ते रहेंगे। हमारा प्रयास रहेगा की पत्रिका का अगला अंक आपकी आकांक्षाओं के अनुरूप ही हो।

आप सभी को शुभकामनाएं।

सतीश वलवी
वरि. राजभाषा अधिकारी

रतलाम मंडल के नवागत मंडल रेल प्रबंधक

श्री अश्वनी कुमार

श्री अश्वनी कुमार ने 01 जनवरी, 2025 को पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के 54 वें मंडल रेल प्रबंधक के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया है।

श्री अश्वनी कुमार, भारतीय रेलवे यातायात सेवा (आईआरटीएस) 1996 बैच के वरिष्ठ अधिकारी हैं। आपकी प्रारंभिक नियुक्ति पूर्व रेलवे में हुई तथा आप पूर्व मध्य रेलवे, उत्तर पश्चिम रेलवे व उत्तर रेलवे में परिचालन, वाणिज्य, सतर्कता एवं संरक्षा विभाग के विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। आप रेलवे बोर्ड में प्लानिंग व विजिलेंस में भी पदस्थ रहे तथा आपने दिल्ली मेट्रो एवं क्रिस(सीआरआईएस) में महाप्रबंधक के पद को भी सुशोभित किया।

आपने आईआईटी दिल्ली से बी.टेक की स्नातक उपाधि एवं आईआईएम बेंगलूरू से मैनेजमेंट एंड पब्लिक पॉलिसी में पोस्ट ग्रेजुएशन किया है। इसके साथ ही आपने नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर और मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी (एमआईटी यूएसए) द्वारा संयुक्त रूप से अर्बन ट्रांसपोर्टेशन में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है।

एमआईटी यूएसए से पीएचडी उपाधि के दौरान आपके द्वारा ट्रांसपोर्टेशन में उत्कृष्ट नवाचार(इनोवेशन) के लिए एमआईटी क्लाइमेट कोलैब द्वारा आपको वैश्विक स्तर की उपलब्धि के रूप में **'बेस्ट इनोवेशन इन ट्रांसपोर्टेशन'** पुरस्कार प्रदान किया गया।

रतलाम मंडल पर मंडल रेल प्रबंधक के रूप में पदस्थापना से पूर्व आप अपर मंडल रेल प्रबंधक,मुरादाबाद तथा मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (यात्री विपणन) के पद पर पूर्व तटीय रेलवे, भुवनेश्वर में पदस्थ थे।

'विजयस्तंभ' ई - राजभाषा पत्रिका परिवार अपने नवागत मुख्य संरक्षक श्री अश्वनी कुमार का हार्दिक स्वागत करता है।

***

राजभाषा की गतिविधियां

- **नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक**

  दिनांक 17.10.2024 को मंडल रेल प्रबंधक की अध्यक्षता में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की छः माही बैठक आयोजित की गई जिसमें नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्यों ने भाग लिया तथा राजभाषा की छः माही प्रगति पर चर्चा की गई।

- **मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक -**

  दिनांक 24.10.2024 को मंडल रेल प्रबंधक की अध्यक्षता में मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक आयोजित की गई जिसमें मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्यों ने भाग लिया तथा राजभाषा की तिमाही प्रगति पर चर्चा की गई एवं राजभाषा प्रश्मंच का आयोजन कर विजेता अधिकारियों को नकद पुरस्कार दिए गए।

- **स्टेशन राजभाषा कार्यान्वयन समिति इंदौर की बैठक –**

दिनांक 14.11.2024 को स्टेशन राजभाषा कार्यान्वयन समिति इंदौर की बैठक के अध्यक्ष वरि.कोचिंग डिपो अधिकारी श्री महेश कुमार एवं अन्य पर्यवेक्षकों /सदस्यों/ कर्मचारियों ने भाग लिया, वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी श्री सतीश वलवी राजभाषा की तिमाही प्रगति पर चर्चा की एवं राजभाषा के नीति-नियमों की जानकारी दी |

- **मंडल पर कर्मचारियों की सहायतार्थ ऑनलाइन हिंदी कार्यशाला का आयोजन –**

दाहोद एवं लोको केयर सेंटर रतलाम के कर्मचारियों के लिए दिनांक 16.12.2024 से 20.12.2024 तक ऑनलाइन हिंदी कार्यशाला चलाई गई जिसमें 32 कर्मचारियों को राजभाषा नीति –नियमों की जानकारी दी गई।

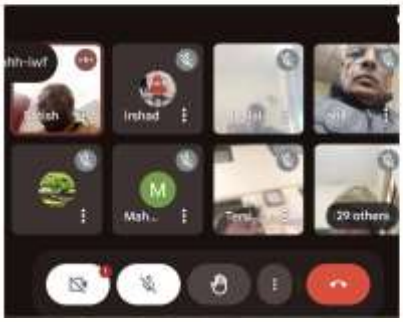

साहित्यकारों को जयंती मनाना – दिनांक 08.12.24 को बालकृष्ण शर्मा नवीन की उज्जैन स्टेशन पर जयंती मनाई।

गांधी जयंती एवं स्वच्छ भारत दिवस के अवसर पर पूरे रतलाम मंडल पर गहन 'स्वच्छता अभियान'

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल पर 17 सितंबर से 30 सितम्बर 2024 तक सक्रिय रूप से ' **स्वच्छता ही सेवा 2024** ' अभियान का आयोजन किया गया तथा 01 अक्टूबर से 15 अक्टूबर, 2024 तक स्वच्छता पखवाड़ा का अभियान गया । इसके तहत मंडल के सभी स्टेशनों, स्टेशन परिसरों, कार्यालयों, कार्यशालाओं में शपथ एवं स्वच्छता अभियान चलाया गया।

रतलाम मंडल पर मुख्य आयोजन रतलाम रेलवे स्टेशन पर किया गया जिसमें मंडल रेल प्रबंधक श्री रजनीश कुमार के नेतृत्व में प्लेटफार्म क्रमांक 7 की ओर सर्कुलेटिंग एरिया के पास से आरंभ कर आरसीडी कार्यालय तक सफाई की गई । इसमें अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री अशफाक अहमद सहित मंडल क सभी शाखाधिकारियों, अन्य अधिकारियों, पर्यवेक्षकों, कर्मचारियों, सफाई कर्मी शामिल हुए। लगभग 150 से अधिक लोग इस गहन श्रमदान में शामिल हुए।

इसी तरह मंडल के उज्जैन, इंदौर, नागदा, नीमच, चित्तौड़गढ़, लोको केयर सेंटर रतलाम, कोचिंग डिपो इंदौर, मंडल रेलवे चिकित्सालयों, सभी चिकित्सा यूनिटों में श्रमदान कर सफाई की गयी।

इस श्रमदान कार्यक्रम में इंदौर में लायंस क्लब इंदौर, दाहोद में कॉमर्स कॉलेज दाहोद के विद्यार्थियों एवं नीमच में जुड़ो टीम द्वारा भी अपना योगदान दिया गया।

मीडिया को संबोधित करते हुए मंडल रेल प्रबंधक श्री रजनीश कुमार ने कहा कि स्वच्छता एक बहुत बड़ा मिशन है जिसमें सभी का सकारात्मक सहयोग जरूरी है। स्वस्थ रहने के लिए स्वच्छ रहना जरूरी है।

इसी क्रम में 29.09.2024 को रेलवे परिसर में स्थित बेस किचन, रेस्टोरेंट, फ़ूड स्टॉल एवं फ़ूड ट्रॉलियों की साफ-सफाई के रूप में मनाया गया । इस अभियान के अंतर्गत कई जागरूकता और स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किए गए । "स्वच्छता ही सेवा" कैंपेन के अंतर्गत स्वच्छ फूड इनिशिएटिव के तहत मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर फूड स्टॉल्स, कैंटीन और ट्रेनों में पैंट्री कार आदि का निरीक्षण किया गया। जिसमें स्वास्थ्य निरीक्षकों तथा वाणिज्य निरीक्षकों द्वारा रतलाम, उज्जैन, इंदौर, नीमच, मंदसौर, फतेहाबाद चंद्रावतीगंज, नागदा, चित्तौड़गढ़, दाहोद सहित अन्य स्टेशनों पर स्थित केटरिंग स्टॉल एवं ट्रेनों में स्थित पैंट्री कार की स्वच्छता का निरीक्षण किया गया तथा यात्रियों, वेंडर्स और रेल कर्मियों को स्वच्छ फूड एवं व्यक्तिगत स्वच्छता के बारे में जानकारी दी गई।

सहायक स्वासथ्य अधिकारी द्वारा मंडल रेल चिकित्सालय रतलाम स्थित किचन का निरीक्षण कर स्वच्छता की जांच की गई तथा खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं स्च्छता हेतु एफएसएसएआई (फुड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड ऑथोरिटी ऑफ इंडिया) द्वारा जारी निर्देशों के बारे में बताया गया।

कोचिंग डिपो इंदौर में गाड़ी संख्या 22911 इंदौर- हावड़ा, क्षिप्रा एक्सप्रेस के प्राइमरी अनुरक्षण के दौरान पैंट्रीकार का निरीक्षण कर उसकी गहन सफाई करवाई गई।

Dahod, Gujarat, India

स्वच्छता
ही सेवा 2024
स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता

पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल पर 75 वां संविधान दिवस आयोजित

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल पर मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय सहित मंडल के अन्य स्टेशनों, कार्यालयों, कार्यशालाओं में संविधान दिवस का आयोजन काफी उत्साह के साथ किया गया।

इस अवसर पर मंडल कार्यालय रतलाम में मंडल रेल प्रबंधक श्री रजनीश कुमार द्वारा अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री अशफाक अहमद सहित मंडल के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाई गई।

इसके अलावा मंडल के रतलाम, उज्जैन, इंदौर, नागदा, चित्तौड़गढ़, दाहोद, डॉ अम्बेडकर नगर सहित अन्य स्टेशनों, रेलवे चिकित्सालयों व चिकित्सा यूनिटों पर भी कर्मचारियों द्वारा संविधान की प्रस्तावना की शपथ ली गई।

फतेहाबाद चंद्रावतीगंज रेलवे स्टेशन लिफ्ट का शुभारंभ :

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के फतेहाबाद चंद्रावतीगंज रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 08 दिसम्बर, 2024 माननीय सांसद इंदौर श्री शंकर लालवानी एवं माननीय सांसद उज्जैन श्री अनिल फिरोजिया द्वारा नवनिर्मित तीन लिफ्टों का शुभारंभ किया गया। इस लिफ्ट का निर्माण लगभग 2 करोड़ की लागत से किया गया है तथा प्रत्येक लिफ्ट में 20 व्यक्तियों को ढोने की क्षमता है। लिफ्ट की सुविधा उपलब्ध हो जाने से जहाँ वरिष्ठ एवं बीमार यात्रियों को एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म पर आने – जाने में सुविधा होगी वहीं आम यात्रियों को भी भारी सामान लेकर आने-जाने में सुविधा होगी।

पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की गतिविधियाँ

दिनांक 30.09.2024 को पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन रतलाम के तत्वावधान में जन चेतना परिषद द्वारा सेवित "हम किसी से कम नहीं' दिव्यांग बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई| इस कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती सपना अग्रवाल एवं अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ मंडल रेल प्रबंधक एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक की गरिमामयी उपस्थिति रही।

दिनांक 06.12.2024 पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन रतलाम की अध्यक्षा श्रीमती सपना अग्रवाल द्वारा अरुणोदय बाल मंदिर में मंडल रेल प्रबंधक एवं अन्य शाखा अधिकारियों की उपस्थिति में वार्षिकोत्सव मनाया गया इस अवसर पर बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। अरुणोदय बाल मंदिर के बच्चों एवं शिक्षकों को उपहार से सम्मानित किया।

दिनांक 31.12.2024 को पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन रतलाम की अध्यक्षा श्रीमती सपना अग्रवाल एवं अन्य पदाधिकारियों द्वारा रतलाम स्थित अनाथ आश्रम एवं वृद्धाश्रम में बच्चों एवं शिक्षकों को उपहार से वितरित किए गए।

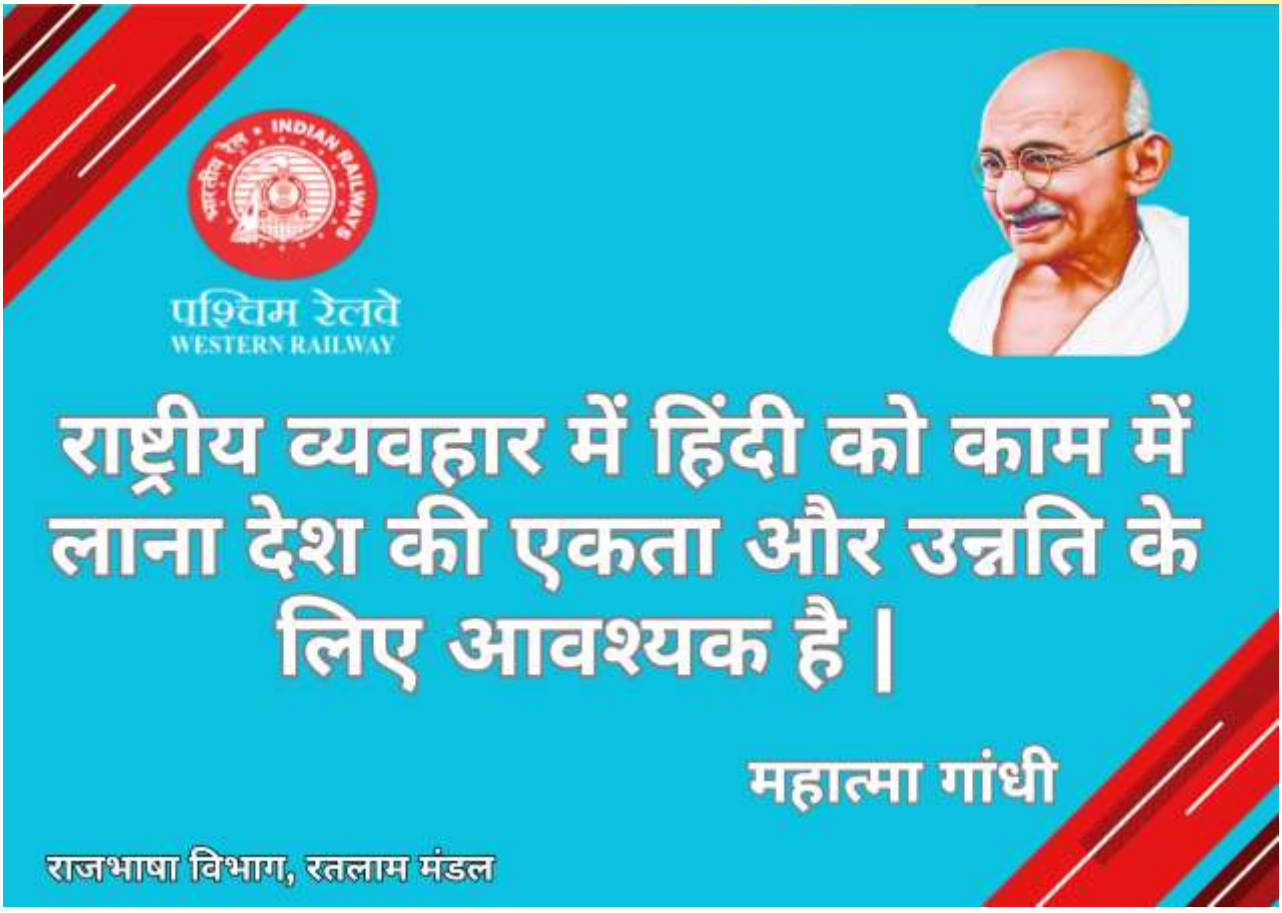

रतलाम मंडल की उपलब्धियां

लोकोमोटिव केयर सेंटर रतलाम

अग्नि शमन प्रशिक्षण –

दिनांक 28.10.2024, 27.12.2024 को ट्रैक्शन ट्रेनिंग सेंटर रतलाम द्वारा एल.सी.सी. आर.टी.एम. के कर्मचारियों को अग्निशामक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का संचालन वरिष्ठ प्रशिक्षक टी.टी.सी./आर.टी.एम. द्वारा किया गया। उपस्थित सभी कर्मचारियों को अग्निशामक यंत्रों के प्रकार, उनके उपयोग, आग से बचाव तथा ऐसी परिस्थितियों से निपटने के तरीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस सत्र में एल.सी.सी./आर.टी.एम. के क्रमश : 18 एवं11 कर्मचारियों ने भाग लिया।

लोकोमोटिव केयर सेंटर रतलाम के कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर –

मंडल रेलवे अस्पताल, रतलाम द्वारा दिनांक 18.10.2024 एवं 20.11.2024 को लोकोमोटिव केयर सेंटर रतलाम में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में वजन, ऊंचाई, रक्तचाप, शुगर लेवल, पल्स रेट आदि जैसे बुनियादी स्वास्थ्य मापदंडों की जांच की गई तथा डॉक्टरों द्वारा परामर्श दिया गया। शिविर में क्रमशः 36 एवं 53 शेड कर्मचारियों की जांच की गई । 40 वर्ष से अधिक आयु के कर्मचारियों के लिए ईसीजी जांच की भी व्यवस्था की गई ।

योग प्रशिक्षण –

रेलवे बोर्ड एवं मुख्यालय द्वारा प्रशिक्षण केन्द्र में योग का प्रशिक्षण प्रदान करने के निर्देश दिए गए हैं, जिसके परिपालन में रेलवे बोर्ड की एसओपी-**2018** में उल्लेखित संस्था आर.के. मिशन विवेकानंद आश्रम रतलाम (म.प्र.) के प्रशिक्षित योग गुरु द्वारा माह अक्टूबर ,नवंबर एवं दिसंबर में टी.टी.सी. रतलाम में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षुओं को निशुल्क योग प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, जिसमें लोको पायलट रिफ्रेशर कोर्स एवं सहायक लोको पायलट रिफ्रेशर कोर्स के क्रमश: **50**,65 एवं 54 प्रशिक्षुओं ने योग प्रशिक्षण में भाग लिया।

एलसीसी रतलाम में सतर्कता जागरूकता शपथ -

28 अक्टूबर **2024** को सतर्कता जागरूकता सप्ताह अभियान के दौरान शेड कर्मचारियों ने शेड अधिकारियों के मार्गदर्शन में सतर्कता संबंधी शपथ ली। एलसीसी रतलाम की एसी लोको गैलरी में शपथ ग्रहण समारोह के दौरान सभी अधिकारी, पर्यवेक्षक और कर्मचारी मौजूद थे।

राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह (कर्मयोगी सप्ताह) –

रेलवे बोर्ड के पत्र के अनुसार 19-25 अक्टूबर के दौरान सभी कर्मचारियों द्वारा राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह मनाया गया और इस सप्ताह में एलसीसी आरटीएम के सभी कर्मचारियों द्वारा राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह में रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित सभी पाठ्यक्रम पूरे किए गए और प्रमाण पत्र बनाए गए।

उप.मु.यां.इंजी / चर्चगेट द्वारा लोकोमोटिव केयर सेंटर रतलाम का निरीक्षण -

एलसीसी आरटीएम का निरीक्षण दिनांक **18.10.2024** को श्री नवीन कुमार सिंह उप सीएमई (डीएल)/सीसीजी द्वारा किया गया, निरीक्षण के दौरान शेड के विभिन्न अनुभागों को देखा गया तथा शेड में एसी लोकोमोटिव की प्रगति के साथ-साथ डीएसएल लोकोमोटिव के रखरखाव में निरंतर सुधार और प्रगति की सराहना की गई तथा लोकोमोटिव के रखरखाव में गुणवत्ता बनाए रखने की सलाह दी गई।

दक्षिण रेलवे ईटीसी की नामित टीम द्वारा टीटीसी रतलाम का ऑडिट-

रेलवे बोर्ड के पत्र क्रमांक **2024**/इलेक्ट (टीआरएस)/**225/7** (ऑडिट ईटीसी) दिनांक **24.09.2024** के अनुपालन में दक्षिण रेलवे ईटीसी की नामित टीम ने दिनांक **24.10.2024** को पश्चिम रेलवे स्थित ट्रैक्शन ट्रेनिंग सेंटर रतलाम, (रतलाम मंडल) का ऑडिट किया है। ऑडिट के दौरान दक्षिण रेलवे की ऑडिट टीम द्वारा एसी कन्वेंशन लोको मॉडल रूम के साथ-साथ टीटीसी/रतलाम द्वारा अपनाए गए विभिन्न अच्छे प्रयासों की अत्यधिक सराहना की गई।

टीएमडीडीएस का संशोधन - आरडीएसओ संशोधन पत्र संख्या आरडीएसओ/**2022**/ईएल/एमएस/**0487** रेव **'0'** दिनांक **19.09.2023** के अनुपालन में **52+55** लोको में ट्रैक्शन मोटर ड्रॉपिंग डिटेक्शन सिस्टम (टीएमडीडीएस) से संबंधित संशोधन किया गया और पूरा किया गया। यह उपकरण हिताची एचएस **15250** ए ट्रैक्शन मोटर्स वाले लोकोमोटिव की बोगी में लगाया गया है। टीएमडीडीएस सिग्नलिंग लैंप एलएसटीएम और कैब में बजर ध्वनि के माध्यम से चालक दल को सचेत करता है, जिसके बाद बीपी को **0** पर गिराकर आपातकालीन ब्रेक लगाने के साथ डीजे ट्रिपिंग होती है और एमपीसीएस डिस्प्ले में एक घटना प्रदर्शित होती है कि "बीपीईएमएस के माध्यम से डीजे ट्रिप हो गया"।

राष्ट्रीय एकता दिवस-

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024 के अनुपालन में 1 नवंबर को एक शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया, जिसे एडीएमई/डी ने संबोधित किया तथा सभी पर्यवेक्षकों और कर्मचारियों ने लोकोमोटिव केयर सेंटर रतलाम की AC लोको गैलरी में शपथ ली। शपथ समारोह के दौरान एडीएमई/डी ने कर्मचारियों को ईमानदारी और सुरक्षा के साथ काम करने के लिए प्रेरित किया।

राजभाषा तिमाही बैठक

लोकोमोटिव केयर सेंटर रतलाम में दिनांक 14.11.2024 को चतुर्थ राजभाषा तिमाही बैठक का आयोजन किया गया| उपरोक्त बैठक वरि.मं.यां. इंजी (डी) महोदय की अध्यक्षता में की गई, जिसमें शेड के सदस्य एवं मंडल राजभाषा शाखा के पदाधिकारी उपस्थित थे | राजभाषा बैठक के दौरान राजभाषा को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न मदों पर चर्चा की गयी |

राजभाषा को बढावा देने के लिए एलसीसी आरटीएम ने एक पहल शुरू की है जिसके अनुसार लोको गैलरी में प्रतिदिन एलईडी डिस्प्ले बोर्ड पर कर्मचारियों को शेड के दैनिक कार्य के प्रति प्रोत्साहित करने, उनके विचारो में सकारात्मक प्रभाव डालने , और आत्मविश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से हिंदी में प्रतिदिन सुविचार प्रदर्शित किए जा रहे है।

संविधान दिवस प्रतिज्ञा-

26 नवंबर को शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया, जिसे वरि.मं.यां. इंजी (डी) महोदय ने संबोधित किया तथा सभी अधिकारियों, पर्यवेक्षकों और कर्मचारियों ने एलसीसी आरटीएम की एसी लोको गैलरी में शपथ ली, जहां सभी ने संविधान के सिद्धांतों को बनाए रखने और राष्ट्र की प्रगति में योगदान देने की शपथ ली।

स्व-रक्षा गाइड पैम्फलेट –

रेलवे कर्मचारियों के लिए कार्यस्थल सुरक्षा को समर्पित एक त्रि-गुना पैम्फलेट एलसीसी आरटीएम के सभी कर्मचारियों को वितरित किया गया, जिसका विमोचन महाप्रबंधक द्वारा किया गया। गाइड का उद्देश्य रेलवे कर्मचारियों को महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रोटोकॉल के बारे में शिक्षित करना है, जिसमें पटरियों पर काम करते समय अपनाए जाने वाले उपाय, ओएचई का संचालन, मानसून के मौसम में विद्युतीकरण को संभालना, शंटिंग संचालन के लिए सुरक्षा प्रक्रियाएं, चिकित्सा आपात स्थिति के लिए सीपीआर तकनीक और व्यक्तिगत सुरक्षा नियम शामिल हैं।

ऊर्जा संरक्षण संगोष्ठी -

ऊर्जा संरक्षण सप्ताह (दिनांक **07.12.2024-14.12.2024)** के दौरान ट्रैक्शन प्रशिक्षण केन्द्र, रतलाम में ऊर्जा संरक्षण पर संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें पारम्परिक ऊर्जा पर निर्भर रहने के स्थान पर सौर ऊर्जा के नवीकरणीय स्त्रोतों जैसे सोलर पैनल आदि को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया, ताकि भविष्य में ऊर्जा की कमी से होने वाली समस्याओं से बचा जा सके। इस संगोष्ठी में कुल **38** कर्मचारियों ने भाग लिया।

लोकोमोटिव केयर सेंटर आरटीएम द्वारा "महा परिनिर्वाण दिवस" मनाया गया -

डॉ. भीमराव अंबेडकर की स्मृति में लोकोमोटिव केयर सेंटर, रतलाम द्वारा दिनांक **06.12.2024** को डॉ. भीमराव अंबेडकर की **68**वीं पुण्यतिथि के अवसर पर "महा परिनिर्वाण दिवस" मनाया गया। इस अवसर पर वरि.मं.यां. इंजी (डी) ने लोकोमोटिव केयर सेंटर, रतलाम के अन्य शेड अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ मिलकर उनकी स्मृति में दीप प्रज्वलित कर एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

******

यांत्रिक विभाग रतलाम

1. **वैगन डिपो,शंभूपुरा द्वारा वैगनों का एक महीने में अब तक सबसे अधिक आरओएच :**
दिसंबर-2024 माह में वैगन डिपो,शंभूपुरा द्वारा 181 वैगनों का आरओएच किया गया जो कि एक माह में अब तक किया गया सबसे अधिक आरओएच है। इससे पहले एक माह में 180 वैगनों का आरओएच जुलाई-2024 में किया गया था।

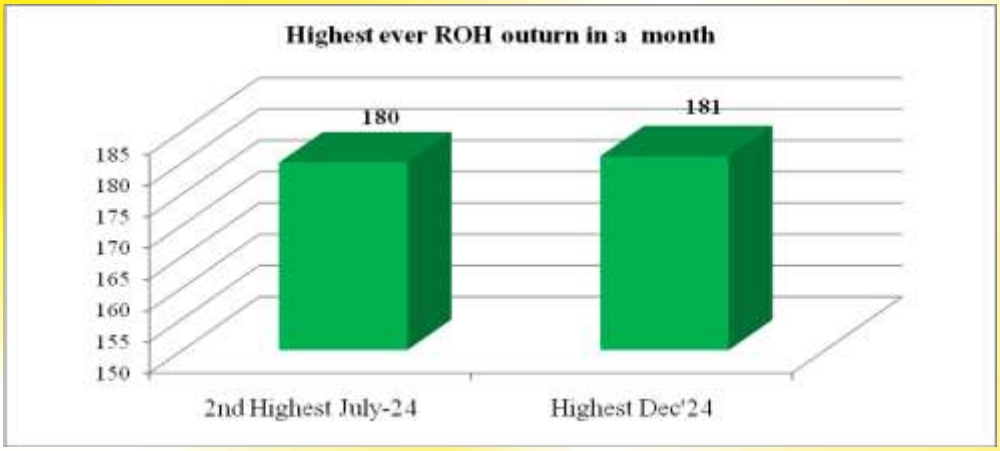

2. **कोचिंग डिपो, इंदौर में कुंभ स्पेशल ट्रेन के लिए कार्य प्रारंभ:**
कोचिंग डिपो, इंदौर ने यात्रियों के लिए स्वच्छ, आरामदायक और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए कुंभ स्पेशल ट्रेन पर निम्नलिखित व्यापक कार्य किए:

- कोच बॉडी पर विनाइल रैपिंग के साथ बाहरी पेंट और छत पर सिल्वर पेंट।
- खिड़की के शीशों की अच्छी तरह से सफाई और पेंटिंग।
- खिड़की के शीशों की अंदर और बाहर से अच्छी तरह से सफाई।
- सभी कोचों में लगे नए अग्निशामक यंत्र के साथ अंदर और बाहर वेस्टिबुल क्षेत्र की सफाई।
- कोच के दरवाज़ों और हैंड रेल और हैंड रेल के नीचे के हिस्से की उचित सफाई और पेंटिंग।
- गंतव्य और बेली बोर्ड उपलब्ध कराया गया।
- सभी बायो टैंकों पर सिल्वर पेंट किया गया।
- सभी शौचालयों में विशेष सुविधाओं का प्रावधान।

a) शौचालय के फर्श पर स्क्रैपर मैट और दीवार और छत के पैनल पर विनाइल रैपिंग।

b) सभी पश्चिमी शैली के शौचालयों में हेल्थ फूसेट और स्टील मग प्रदान किए गए।

c) सभी भारतीय शैली के शौचालयों में स्टील मग प्रदान किए गए।

d) नए स्टेनलेस स्टील डस्टबिन प्रदान किए गए।

e) लिक्विड सोप डिस्पेंसर और रूम फ्रेशनर प्रदान किए गए।

- सभी कोचों में एकीकृत स्टिकर, बायो स्टिकर और धूम्रपान निषेध स्टिकर लगाए गए हैं।
- सभी वॉश बेसिन में स्टील के नल लगाए गए हैं।

• आंतरिक छत की पेंटिंग और पैनलों का टच अप किया गया है।

• शौचालयों में हेल्थ फूसेट और मग लगाए गए हैं। रखरखाव के दौरान छत से कोई रिसाव नहीं होना सुनिश्चित किया गया।

• कोचों के कोनों की गहन सफाई सुनिश्चित की गई। कोचों के सभी मैले-कुचैले और दाग-धब्बों को अच्छी तरह से साफ किया गया।

• सुविधा वस्तुओं की चोरी की संभावना को रोकने के लिए प्रस्थान से पहले रेक को ठीक से लॉक करना सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

• कुंभ मेला विशेष ट्रेनों में अच्छी तरह से सजाए गए गंतव्य और बेली बोर्ड लगाए गए।

• रेलवे बोर्ड के दिशा-निर्देशों के अनुसार सभी कोचों की विनाइल रैपिंग ठीक से सुनिश्चित की गई।

• यह ध्यान में रखते हुए कि यह सर्दियों का समय है, खिड़कियों और दरवाजों के किनारों को ठीक से बंद करना और सील करना सुनिश्चित किया गया।

• सभी कोचों के शौचालयों की सफाई की गई।

• बैक्टीरिया चार्जिंग और क्लोरीन की गोलियां उपलब्ध कराई गई हैं।

3. हॉट एक्सल बॉक्स डिटेक्टर (सीमित कार्यक्षमता) की कमीशनिंग:

रतलाम डिवीजन में निम्नलिखित स्थान पर 06 एचएबीडी स्थापित और कमीशन किए गए हैं 1

क्र.	स्थान	कमीशनिंग तिथि
1.	एनएडी-यूजेएन (नागदा-उज्जैन) (पीएसओ केएम 26/22-24 के पास) (डाउन लाइन)	30.09.2024
2.	एमकेसी-यूजेएन (मक्सी-उज्जैन) (टीजेपी केएम-73/13-15 के पास) (अप लाइन)	04.10.2024
3.	एसईएच-बीपीएल (सीहोर-भोपाल) (एलसी गेट 98 193/24-26 के पास) (डाउन लाइन)	28.10.2024
4.	बीपीएल-यूजेएन (भोपाल-उज्जैन) (एलसी 113 के पास, एसएचआरएन-बीक्यूई के बीच किमी 223 पर) (अप लाइन)	05.11.2024
5.	जीडीए-डीएचडी (गोधरा-दाहोद) (आईबीएच के पास, किमी 527 पर) (डाउन लाइन)	20.11.2024
6.	आरटीएम-डीएचडी (रतलाम-दाहोद) (एसएसपी गेट के पास, किमी 527 पर) 563)(अप लाइन)	29.11.2024

4. वंदे-भारत ट्रेनों के कोचों की व्हील री-प्रोफाइलिंग:

दिनांक 26.11.24 को वंदे-भारत रेक के व्हील री-प्रोफाइलिंग का काम पूरा हो गया है। वंदे भारत रेक के व्हील टायरों को मोड़ने में इष्टतम प्रदर्शन, सुरक्षा और स्थायित्व सुनिश्चित करने के लिए एक सटीक मशीनिंग प्रक्रिया शामिल है। इस प्रक्रिया में शामिल प्रक्रिया और विचार इस प्रकार हैं –

1) तैयारी 2) माप और निरीक्षण 3) मशीनिंग 4) फिनिशिंग 5) अंतिम निरीक्षण 6) दस्तावेज़ीकरण।

यह विस्तृत प्रक्रिया सुनिश्चित करती है कि वंदे भारत ट्रेन के व्हील टायरों को आधुनिक डिज़ाइन के कोचों के लिए आवश्यक उच्च मानकों को पूरा करने के लिए मशीनिंग (टायर टर्निंग) किया जाता है, जिससे दक्षता और सुरक्षा का संतुलन बना रहता है।

पिता कविता

पिता ही मेरा आसमान है,पिता से ही उन्मुक्त उड़ान है।
पिता हर समस्या का समाधान है, पिता के नाम से ही जग में मान सम्मान है।

पिता ने सर पर जो रखा हाथ है, पिता हर विपत्ति का साथ है।
पिता वटवृक्ष की छाया है , पिता आठों पहर का साया है।

पिता की कृपा में कोई अगर है ,पिता की दया से उसकी प्रशस्त डगर है।
पिता से रहता सुरक्षित घर है ,पिता ही खुशहाली का निर्झर है।

पिता ही बच्चों के शिक्षक व शिल्पकार है , पिता समयानुसार अंगार व शीतल बौछार है।
पिता के स्नेह में मार और फटकार है ,पिता के मन में प्रेम अपार है।

पिता हर समस्या की युक्ति है ,पिता से जीवन में तृप्ति है।
पिता करवाता हर खुशी की अभिव्यक्ति है ,पिता से ही घर परिवार की संस्कृति है।

पिता सफलता में दिलासा है ,पिता हर निराशा में आशा है।
पिता मजबूत कंधा है ,पिता सहता हर भार है।

पिता सबसे अच्छा सलाहकार है ,पिता के आशीर्वाद से खुलते सफलता के द्वार है।
पिता से सुहानी सुबह और प्यारी शाम है ,पिता तीर्थ समान पावन धाम है।

पिता से जीवन स्पंदन है , पिता से घर महकता चंदन है।
पिता प्रेम का अनूठा बंधन है , पिता को शत-शत वंदन है।

लक्ष्य ताम्रकार
कनि. अनुदेशक
लोकमोटिव केयर सेंटर, रतलाम

बच्चो में पढ़ने की आदत को रोचक बनाए टिप्स

कंप्यूटर ओर इंटरनेट के इस दौर में बच्चे किताबों से दूर होते जा रहे हैं , स्कूल की किताबों के अलावा वो कुछ और नहीं पढ़ते हैं , ऐसे में यदि आप अपने बच्चे को किताबों से दोस्ती तो कराना चाहते है तो कुछ प्रयोग यहाँ बताए गए हैं ।

1 बच्चा जब भी कुछ पढ़ रहा हो, उसे जोर से बोल - बोलकर पढ़ने के लिए कहें ऐसा करने से न सिर्फ उसका उच्चारण सही होगा और उसे समझ कर पढ़ने में उसे मजा भी आएगा।

2 बच्चों के आसपास उनके कमरे में किताबें रखें जिससे बार - बार उनकी नज़र किताबों पर जाएगी और वो उसे उठाकर पढेंगे।

3 बच्चों के सामने खुद भी कुछ किताबें / मैगज़ीन आदि पढ़े आपको पढ़ते देखकर उसकी भी पढ़ने में रुचि बढेगी।

4 बच्चों की किताबें खरीदते समय बच्चों को भी साथ ले जाए इससे दुकान पर ढेर सारी किताबें देखकर निश्चय ही उनकी इनमे दिलचस्पी बढेगी।

5 आप जब भी लाइब्रेरी जा रहे हो तो बच्चे को भी साथ ले जाए और उससे पूछे कि आपको कौन सी किताब पड़नी है इस काम में उसे न सिर्फ मजा आएगा बल्कि पढ़ने में उनकी दिलचस्पी भी बढेगी।

6 किताबें पढ़ते समय बच्चे को पिक्चर आदि दिखाए और पढ़ने के बाद उसकी कहानी के पात्रो के बारे में उनसे बात करे।

7 पढ़ने का मतलब यह नहीं है कि आप हमेशा उन्हें कोई ज्ञानवर्धक किताबें ही पढ़ने के लिए दे यदि बच्चा अपना कोई अपनी पसंद की स्टोरी बुक, कॉमिक्स आदि पढ़ना चाहता है तो उन्हें पढ़ने दे।

8 जन्मदिन या किसी खास मौके पर अपने बच्चे की उम्र को ध्यान में रखते हुए कोई अच्छी किताब ख़रीदे।

9 सोने के पहले पढ़ने की आदत डाले यदि बच्चा छोटा है ओर खुद से नहीं पढ़ सकता है तो सोने से पहले आप उसे कोई कहानी कि किताब पढ़कर सुनाए, यदि बच्चा बड़ा है तो रोज सोने से पहले उन्हें कोई किताब पढ़ने के लिए कहें।

नवदीप भारद्वाज
सीटीएनसी
कंट्रोल कार्यालय , रतलाम

हरिवंशराय बच्चन

पूरा नाम	हरिवंश राय श्रीवास्तव "बच्चन"
जन्म	27 नवंबर 1907, प्रतापगढ़, उत्तर प्रदेश
मृत्यु	18 जनवरी 2003, मुंबई, महाराष्ट्र
पारिवारिक पृष्ठभूमि	पिता: प्रताप नारायण श्रीवास्तव पत्नी: तेजी बच्चन (दूसरी पत्नी) पुत्र: अमिताभ बच्चन, अजिताभ बच्चन
	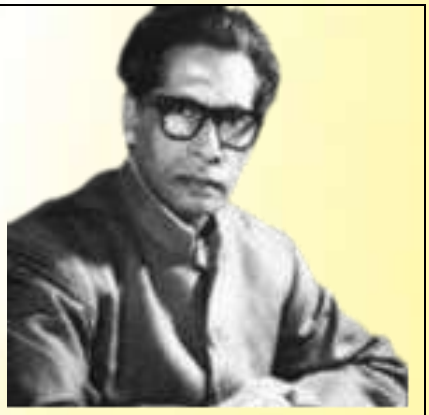
शिक्षा	प्रारंभिक शिक्षा प्रतापगढ़ में, उच्च शिक्षा इलाहाबाद विश्वविद्यालय से कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से अंग्रेजी साहित्य में पीएचडी प्राप्त की
प्रमुख घटनाएं	- 1926: पहली पत्नी श्यामा देवी से विवाह; उनका निधन 1936 में। - 1942: तेजी सूरी से विवाह। - 1952: कैम्ब्रिज से पीएचडी।
प्रमुख उपलब्धियां	- हिंदी साहित्य में छायावादोत्तर युग के प्रमुख कवि। - भारतीय कविता में रोमांटिक शैली का प्रसार। - हिंदी साहित्य को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई।
प्रमुख पुस्तकें	- कविता संग्रह: "मधुशाला", "निशा निमंत्रण", "एकांत संगीत", "सतरंगिनी"। - आत्मकथा "क्या भूलूं क्या याद करूं", "नीड़ का निर्माण फिर", "बसेरे से दूर", "दशद्वार से सोपान तक"।
आत्मकथा की विशेषताएं	- चार खंडों में विभाजित। - उनके जीवन के व्यक्तिगत और सामाजिक पक्षों का उत्कृष्ट चित्रण। - सरल और प्रवाहमयी भाषा। - साहित्यिक, सामाजिक और राजनीतिक घटनाओं का विश्लेषण।
सरकारी पद	- 1955 से 1965 तक विदेश मंत्रालय में हिंदी विशेषज्ञ।
पुरस्कार	- 1966 "साहित्य अकादमी पुरस्कार"। - 1976 "पद्म भूषण"। - "सरस्वती सम्मान"।
समग्र योगदान	- हिंदी कविता को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की। - "मधुशाला" के माध्यम से साहित्यिक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लोकप्रिय बनाया। - हिंदी साहित्य को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई।

साहित्यकार 'हरिवंशराय बच्चन' पर प्रश्नोत्तर

क्र.	प्रश्न	उत्तर
1.	हरिवंश राय बच्चन का जन्म कब और कहां हुआ?	27 नवंबर 1907 को उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के अमोढा में।
2.	हरिवंश राय बच्चन के पिता का नाम क्या था?	प्रताप नारायण श्रीवास्तव।
3.	उनकी पहली पत्नी का नाम क्या था?	श्यामा देवी।
4.	श्यामा देवी का निधन कब हुआ?	1936 में।
5.	उनकी दूसरी पत्नी का नाम क्या था?	तेजी बच्चन।
6.	हरिवंश राय बच्चन के कितने पुत्र है ?	दो पुत्र: अमिताभ बच्चन और अजिताभ बच्चन।
7.	उनकी प्रारंभिक शिक्षा कहां हुई?	प्रतापगढ़ में।
8.	उन्होंने उच्च शिक्षा कहां से प्राप्त की?	इलाहाबाद विश्वविद्यालय से।
9.	हरिवंश राय बच्चन ने डॉक्टरेट की डिग्री कहां से प्राप्त की?	कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से।
10.	उनके डॉक्टरेट का विषय क्या था?	अंग्रेजी साहित्य।
11.	हरिवंश राय बच्चन को किस शैली के कवि के रूप में जाना जाता है?	छायावादोत्तर और रोमांटिक शैली के कवि।
12.	उनकी पहली प्रमुख कृति कौन सी थी?	"मधुशाला"।
13.	"मधुशाला" का प्रकाशन कब हुआ?	1935 में।
14.	हरिवंश राय बच्चन की प्रमुख कविता संग्रह कौन-कौन सी हैं?	"मधुशाला", "निशा निमंत्रण", "एकांत संगीत", "सतरंगिनी"।
15.	उनकी आत्मकथा के खंडों के नाम क्या हैं?	"क्या भूलूं क्या याद करूं", "नीड़ का निर्माण फिर", "बसेरे से दूर", "दशद्वार से सोपान तक"।
16.	उनकी आत्मकथा कितने खंडों में विभाजित है?	चार खंडों में।
17.	हरिवंश राय बच्चन की आत्मकथा का मुख्य विषय क्या है?	उनके व्यक्तिगत, सामाजिक और साहित्यिक जीवन का विस्तृत वर्णन।
18.	हरिवंश राय बच्चन ने किस भाषा में साहित्य रचा?	हिंदी भाषा में।
19.	उन्होंने "मधुशाला" में किसका प्रतीकात्मक उपयोग किया है?	"मधुशाला" में शराब को जीवन और उसके अनुभवों का प्रतीक गया है।
20.	"निशा निमंत्रण" किस प्रकार की रचना है?	यह एक रोमांटिक और भावनात्मक काव्य है।
21.	हरिवंश राय बच्चन को साहित्य अकादमी पुरस्कार कब मिला	1966 में।
22.	उन्हें "पद्म भूषण" पुरस्कार कब दिया गया?	1976 में।
23.	उन्होंने किस सरकारी विभाग में सेवा की?	भारत सरकार के विदेश मंत्रालय में।
24.	विदेश मंत्रालय में हरिवंश राय बच्चन का कार्यकाल कब से कब तक था?	1955 से 1965 तक।
25.	"मधुशाला" में कितने छंद हैं?	"मधुशाला" में 135 रुबाइयां (चार-पंक्तियों वाले छंद) हैं।

26.	"सतरंगिनी" संग्रह का मुख्य भाव क्या है?	जीवन के विभिन्न रंग और अनुभव।
27.	हरिवंश राय बच्चन को "हिंदी साहित्य का क्या कहा जाता है	"छायावादोत्तर युग के प्रमुख कवि"।
28.	हरिवंश राय बच्चन ने किन कवियों से प्रभावित होकर लेखन किया?	महादेवी वर्मा, जयशंकर प्रसाद, और सुमित्रानंदन पंत।
29.	हरिवंश राय बच्चन की सबसे प्रसिद्ध काव्य रचना कौन सी है?	"मधुशाला"।
30.	उन्होंने अंग्रेजी साहित्य में किस महान कवि का अध्ययन किया?	डब्ल्यू. बी. यीट्स।
31.	हरिवंश राय बच्चन ने किन सामाजिक मुद्दों पर अपनी लेखनी केंद्रित की?	सामाजिक विषमताएं, मानवीय संवेदनाएं, और आत्मअवलोकन।
32.	उनकी आत्मकथा का पहला खंड "क्या भूलूं क्या याद करूं" किस विषय पर आधारित है?	उनके प्रारंभिक जीवन और संघर्षों पर।
33.	"नीड़ का निर्माण फिर" में कौन से जीवन प्रसंग शामिल हैं?	उनके विवाह और पारिवारिक जीवन से जुड़े प्रसंग।
34.	"दशद्वार से सोपान तक" में उन्होंने किन घटनाओं का वर्णन किया है?	स्वतंत्रता के बाद की सामाजिक और साहित्यिक गतिविधियों का।
35.	हरिवंश राय बच्चन का जीवन किस प्रकार प्रेरणादायक है?	उन्होंने व्यक्तिगत संघर्षों के बावजूद हिंदी साहित्य को समृद्ध किया और नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।
36.	"बसेरे से दूर" में कौन सी बातें उभरकर आती हैं?	विदेश प्रवास के अनुभव और सांस्कृतिक असमानताओं का चित्रण।
37.	हरिवंश राय बच्चन ने "मधुशाला" में किस प्रकार की भाषा का उपयोग किया है?	सरल, प्रवाहमयी और प्रतीकात्मक भाषा।
38.	क्या "मधुशाला" का अनुवाद अन्य भाषाओं में हुआ है?	"मधुशाला" का कई भारतीय और विदेशी भाषाओं में अनुवाद हुआ है।
39.	उनकी प्रमुख गद्य रचनाएं कौन-कौन सी हैं?	उनकी आत्मकथात्मक रचनाएं और निबंध।
40.	हरिवंश राय बच्चन का साहित्यिक योगदान क्यों महत्वपूर्ण है?	उन्होंने हिंदी कविता में आधुनिकता, रोमांस और प्रतीकात्मकता को बढ़ावा दिया।
41.	हरिवंश राय बच्चन के लेखन की प्रमुख विशेषता क्या है?	उनकी लेखनी में भावनाओं की गहराई, सरल भाषा और समाज के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण झलकता है।
42.	उन्हें कौन-कौन से प्रमुख साहित्यिक सम्मान प्राप्त हुए?	"साहित्य अकादमी पुरस्कार", "सरस्वती सम्मान", "पद्म भूषण"।
43.	"मधुशाला" का पाठ हरिवंश राय बच्चन द्वारा कब प्रस्तुत किया गया?	1935 में कवि सम्मेलन में।
44.	हरिवंश राय बच्चन को किस काव्य शैली के विकास का श्रेय दिया जाता	छायावादोत्तर युग में प्रतीकात्मक और आत्माभिव्यक्ति की शैली विकास।
45.	उनके जीवन पर आधारित कोई फिल्म या डॉक्यूमेंट्री बनी है?	उनकी आत्मकथा और कविताओं पर आधारित कई साहित्यिक कार्यक्रम और डॉक्यूमेंट्री बनाई गई

		हैं।
46.	"मधुशाला" की लोकप्रियता का क्या कारण है?	इसकी सरल और प्रतीकात्मक भाषा, जो हर वर्ग के पाठकों को आकर्षित करती है।
47.	हरिवंश राय बच्चन ने किस कवि को अपना साहित्यिक आदर्श माना?	डब्ल्यू. बी. यीट्स।
48.	उनके साहित्यिक योगदान का प्रभाव आज के लेखकों पर कैसे दिखता है?	उनकी शैली, भावनात्मक गहराई, और प्रतीकात्मकता आज भी लेखकों को प्रेरित करती है।
49.	हरिवंश राय बच्चन का अंतिम समय कहां बीता?	मुंबई, महाराष्ट्र।
50.	हरिवंश राय बच्चन का समग्र योगदान कैसे वर्णित किया जा सकता है?	उन्होंने हिंदी साहित्य में रोमांस, प्रतीकात्मकता और आधुनिकता का समावेश किया, साथ ही समाज और संस्कृति के प्रति संवेदनशील लेखन प्रस्तुत किया।

संकलन:

राजेंद्र सेन. वरि. अनुवादक, राजभाषा अनुभाग , मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, रतलाम

तितली कविता

तितली को नहीं चाहिए
आपकी प्रीति।
आपको उसके पंख लुभाते हैं
पकड़ने को करते हाथ
तितली स्वतंत्र रहना चाहती हैं
अपने में मस्त रहना चाहती है
उसको फूलों से आसक्ति है, अनुराग है

फूल भी शायद,
उसके लिए ही खिलते हैं।
पराग बिखेरते हैं,
धूप की दस्तक संग
फूलों के खिलते ही
ईद गिर्द मंडराने लगती, तितली
फूलों को देख,
फुदकती हैं।
नाचती है।
कुछ गुनगुनाती भी होगी
कुछ गाती भी होगी।

शिव चौहान 'शिव'
वरि.ट्रेन मैनेजर
रतलाम

कोहरे की चादर कविता

धूप को आंखें दिखाती
कोहरे की चादर

ठंड को अपने साथ कर लेती
सूरज को दम देती

नहीं किसी से डरती
दिनभर अपना
रुवाब दिखाती

सुबह से शाम तक
पसरती जाती

रात में ओस की बूंदों में
नहाती

अलसुबह
फिर आ धमकती

कोहरे की चादर।

शिव चौहान 'शिव'
वरि.ट्रेन मैनेजर
रतलाम

राजभाषा संबंधी प्रश्नोत्तर

क्र.	प्रश्न	उत्तर
1	जन सूचना बोर्ड द्विभाषी में प्रदर्शित किए जाने का लक्ष्य कितना % है ?	100
2	राजभाषा गौरव पुरस्कार और राजभाषा कीर्ति पुरस्कार किस मंत्रालय द्वारा प्रदान किए जाते हैं?	गृह मंत्रालय
3	केंद्रीय हिंदी सलाहकार समिति की वर्ष में कितनी बैठक होती है ?	2
4	प्रशिक्षण संस्थानों की सामग्री द्विभाषी में कितने प्रतिशत होनी चाहिए ?	100
5	'क' क्षेत्र से 'ग' क्षेत्र को हिंदी में मूल पत्राचार का लक्ष्य कितना है?	65
6	हिंदी में कार्य साधक ज्ञान रखने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए गृह मंत्रालय द्वारा कौन सा पाठ्यक्रम चलाया जाता है?	पारंगत प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
7	रजिस्टर डायरियों और फाइलों के शीर्षक 'क'क्षेत्र में किन भाषाओं में होने चाहिए	हिंदी तथा अंग्रेजी
8	प्रेमचंद पुरस्कार योजना (कहानी संग्रह /उपन्यास) किसकी पुरस्कार योजना है?	रेलवे बोर्ड
9	राजभाषा से संबंधित संवैधानिक प्रावधान भारत के संविधान के किस भाग में है ?	भाग-17
10	संसद में प्रयोग की जाने वाली भाषा के संबंध में भारत के संविधान के किस अनुच्छेद में उल्लेख है ?	अनुच्छेद-120
11	निम्नलिखित में से किसमें केवल एक भाषा का प्रयोग किया जा सकता है ?	टिप्पणी
12	क' क्षेत्र से 'ख' क्षेत्र को हिंदी में किए जाने वाले मूल पत्राचार का लक्ष्य कितना है?	100
13	निम्नलिखित में से कौन-सा प्रलेख राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अंतर्गत शामिल नहीं है?	अभ्यावेदन
14	विक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रसिद्ध साहित्यकार कवि का नाम बताइए ?	डॉ.शिव मंगल सिंह 'सुमन'
15	राजभाषा अधिनियम, 1963 कब पारित हुआ ?	10 मई 1963
16	भारत की संविधान सभा द्वारा हिंदी को "राजभाषा" के रुप में संवैधानिक दर्जा कब दिया गया?	14 सितंबर 1949

ओमप्रकाश मीना

वरि . अनु (राजभाषा)

ई –ऑफिस हेतु उपयोगी हिंदी नोटिंग

राजभाषा विभाग रतलाम द्वारा ई -ऑफिस में पहले से ही उपलब्ध हिंदी नोटिंग और ई -ऑफिस हेतु प्रस्तावित हिंदी नोटिंग का संग्रह तैयार किया गया है जो श्रंखला के रूप में उपलब्ध कराई जा रही है।

ई -ऑफिस में पहले से ही उपलब्ध हिंदी नोटिंग गतांक से आगे .....

प ,फ, ब, भ ,म -1

- पदों का सृजन।
- पदों की समाप्ति।
- पिछली तारीख / अगले तारीख से प्रभावी।
- प्रेस विज्ञप्ति / प्रेस टिप्पणी जारी करें।

ई -ऑफिस हेतु प्रस्तावित हिंदी नोटिंग

प ,फ, ब, भ ,म -1

- प्रस्तुत कीजिए।
- प्रस्ताव स्वीकार है।
- प्रस्ताव के अनुसार मंजूर।
- परम अग्रता दी जाए।
- फाइल पर रखें।

दौलतराम ताबियार
वरि अनुवादक (राजभाषा)
मंडल कार्यालय रतलाम

शेष अगले अंक में ....

दुर्घटना राहत गाड़ी संचालन

गतांक से आगे .....

प्रश्न (81) ए आर टी ,ए आर एम ई के मुख्यालय स्टेशन पर 45- 45 सेकंड के दो सायरन 5 सेकंड के अंतराल से बजते हैं तो इसका क्या मतलब है ?

उत्तर :- ए आर टी, ए आर एम ई के मुख्यालय स्टेशन पर लोको शेड/ यातायात यार्ड में दुर्घटना हुई है और केवल ART की आवश्यकता है।

प्रश्न (82) ART ,ARME के मुख्यालय स्टेशन पर 45- 45 सेकंड के 03 सायरन 5- 5 सेकंड के अंतराल से बजते हैं तो इसका क्या आशय है ?

उत्तर:- इसका आशय यह होता है कि ART, ARME के मुख्यालय स्टेशन से बाहर अन्य स्थान पर दुर्घटना हुई है, जिसमें केवल ART . की ही आवश्यकता है।

प्रश्न (83) दुर्घटनाएं एवं और असामान्य घटनाओं से संबंधित नियम G & SR के किस चैप्टर में लिखे हैं ?

उत्तर : चैप्टर 6 में वर्णित है।

प्रश्न (84) अवरोधित ब्लॉक सेक्शन में कार्य स्थल से लौटते समय यदि इंजन लीडिंग में हो तो राहत गाड़ी की गति क्या होगी ?

उत्तर: - 15/10 Kmph.

प्रश्न (85) अवरोधित ब्लॉक सेक्शन में कार्यस्थल से लौटते समय यदि ब्रेक वान लीडिंग में हो, तो गाड़ी की स्पीड क्या होगी ?

उत्तर:- 10 किलोमीटर/ प्रति घंटा।

प्रश्न (86) अवरुद्ध ब्लॉक सेक्शन में जाने वाली दूसरी गाड़ी की गति क्या होगी ?

उत्तर :- 8 kmph

प्रश्न (87) जब अगले स्टेशन का ब्लॉक ओवरलैप बाधित हो तो पिछले स्टेशन से सहायता गाड़ी के लोको पायलट को क्या प्राधिकार दिया जाएगा ?

उत्तर :- टी/ए 602.

प्रश्न (88) यदि दो संकेती सिग्नल व्यवस्था वाले स्टेशन पर आउटर से आगे 200 मीटर पर (स्टेशन की तरफ) गेट पर बस और ट्रैक्टर में टक्कर हो गई है , तो पिछले स्टेशन से ART किस प्राधिकार पर चलेगी ?

उत्तर: -टी/ए 602(APWLC)

प्रश्न (89) दुर्घटनाग्रस्त ब्लॉक सेक्शन में अधिकतम कितनी सहायता गाड़ी भेजी जा सकती हैं ?

उत्तर:- 02 सहायता गाड़ी भेजी जा सकती हैं।

दुर्गा प्रसाद वर्मा
सेवानिवृत्त -संरक्षा सलाहकार (यातायात)
रतलाम

शेष 'ऑटोमेटिक ब्लॉक सिस्टम' अगले अंक में .....

राजभाषा विभाग रतलाम मंडल

हम सब भारत वासियों का यह अनिवार्य कर्त्तव्य है कि हम हिंदी को अपनी भाषा के रूप में अपनाएं।

–डॉ. बी.आर.आंबेडकर

जिसको न निज भाषा तथा निज राष्ट्र का अभिमान है वह नर नहीं पशु निरा और मृतक समान है।

–मैथिलीशरण गुप्त

राष्ट्र की एकता को यदि बनाकर रखा जा सकता है तो उसका माध्यम हिंदी ही हो सकती है

–सुब्रह्मण्य भारती

हिंदी हमारे देश की धड़कन है, जिसे देश के हित में गतिशील बनाए रखना हम सबकी राष्ट्रीय जिम्मेदारी है

– रामधारी सिंह दिनकर

हिंदी भाषा भारतीयों की उच्चतम अनुभूति की अभिव्यक्ति है

हजारी प्रसाद द्विवेदी

हरिवंशराय बच्चन

जीवन परिचय :- हरिवंशराय बच्चन का जन्म इलाहाबाद (प्रयागराज) में हुआ। केंब्रिज विश्व विद्यालय से इन्होंने अंग्रेजी साहित्य में डॉक्टर की उपाधि प्राप्त की। बच्चनजी की रचनाओं में व्यक्ति वेदना, राष्ट्र चेतना और जीवन दर्शन के स्वर मिलते हैं। इनकी आत्मकथा चार खंडों में प्रकाशित हुई है। इस पर इन्हें सरस्वती सम्मान से विभूषित किया गया। इनका निधन 18 जनवरी 2003 को हुआ।

जन्म 27 नवंबर 1907

अग्निपथ

वृक्ष हों भले खड़े,
हों बड़े, हों घने,
एक पत्र छाँह भी
मांग मत! मांग मत! मांग मत!
अग्निपथ! अग्निपथ! अग्निपथ!

तू न थकेगा कभी,
तू न थमेगा कभी,
तू न मुड़ेगा कभी,
कर शपथ! कर शपथ! कर शपथ!
अग्निपथ! अग्निपथ! अग्निपथ!

यह महान दृश्य है,
देख रहा मनुष्य है,
अश्रु, स्वेद, रक्त से
लथ-पथ, लथ-पथ, लथ-पथ,
अग्निपथ! अग्निपथ! अग्निपथ!

राजभाषा विभाग, रतलाम मंडल (प.रे.)

15